सुकमा से मणिपुर: CRPF बटालियन के 1,000+ जवान - 'नक्सलवाद समाप्त' घोषणा के बाद पहली CAPF डी-इंडक्शन

प्रकाशित: 16 नवंबर 2026 · मेन्स · defence & security



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

माओवाद प्रभावित **छत्तीसगढ़ के सुकमा** में तैनात CRPF की एक GD बटालियन के **1,000 से अधिक जवानों** को **मणिपुर** भेजा जा रहा है। मार्च 2026 में केंद्र सरकार की घोषणा कि "देश में नक्सलवाद समाप्त हो गया है" - उसके बाद किसी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) की यह **पहली बड़ी डी-इंडक्शन (वापसी/पुनर्नियोजन)** है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा से **तीन और बटालियन** हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

क्या हुआ

- **कौन:** सुकमा में लंबे समय से नक्सल-विरोधी अभियानों में लगी CRPF की GD (General Duty) बटालियन; 1,000+ कर्मी मणिपुर जा रहे हैं।
- **महत्व:** मार्च 2026 की "नक्सलवाद समाप्त" घोषणा के बाद पहली CAPF डी-इंडक्शन - मैदान पर बलों के पुनर्संतुलन की शुरुआत।
- **बटालियन की भूमिका बदली थी:** मार्च की घोषणा के बाद से यह बटालियन मुख्यतः **डी-माइनिंग और IED-निष्कासन** जैसे सफाई-कार्य कर रही थी, न कि सक्रिय लड़ाकू अभियान।
- **आगे:** छत्तीसगढ़ और ओडिशा से तीन और बटालियन हटाने का प्रस्ताव अधिकारियों के विचाराधीन।

कंपनियाँ पहले भी कहीं लगाई गईं

- इसी बटालियन की कंपनियाँ समय-समय पर **पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन** जैसे कार्यों पर भी लगाई गईं - CAPF पर बहु-मोर्चे दबाव का संकेत।
- मणिपुर में 2023 से जातीय हिंसा के बाद CAPF की भारी तैनाती जारी है; नई बटालियन वहाँ की सुरक्षा-व्यवस्था में जुड़ेगी।

परिप्रेक्ष्य

- **बस्तर अभियान:** पिछले दो वर्षों में गहन अभियानों के बाद माओवादी ढांचा बड़े पैमाने पर ध्वस्त हुआ; मार्च 2026 की घोषणा उसी पर आधारित थी।
- **संसाधन-पुनरावंटन:** डी-इंडक्शन से CAPF कंपनियाँ चुनाव, यात्रा-सुरक्षा और अन्य आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों के लिए मुक्त होंगी - मणिपुर पहली प्राथमिकता।
- **जोखिम:** विशेषज्ञ सावधान करते हैं कि शेष माओवादी टिकापन दिखाएँ, इसलिए पूरी तरह खाली करने के बजाय चरणबद्ध वापसी रणनीति है।

संबंधित लेख: नक्सलवाद समाप्ति की घोषणा और आगे की राह

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: कौन-से कथन सही हैं?
1. सुकमा से मणिपुर भेजी गई CRPF बटालियन मार्च 2026 की "नक्सलवाद समाप्त" घोषणा के बाद पहली CAPF डी-इंडक्शन है।
2. घोषणा के बाद यह बटालियन मुख्यतः डी-माइनिंग और IED-निष्कासन कर रही थी।
3. सुकमा जिला झारखंड में स्थित है।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

▶ उत्तर और व्याख्या

प्रश्न 2: CAPF (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) के संदर्भ में "डी-इंडक्शन" का अर्थ क्या है?

(a) नई भर्ती प्रक्रिया

(b) किसी क्षेत्र से बल की वापसी या पुनर्नियोजन

(c) बटालियन का भंग होना

(d) सीमावर्ती तैनाती बढ़ाना

▶ उत्तर और व्याख्या

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "CAPF की डी-इंडक्शन भारत के आंतरिक सुरक्षा वास्तुकला में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, परंतु इसके जोखिमों का प्रबंधन भी आवश्यक है।" सुकमा से मणिपुर बटालियन-स्थानांतरण के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए। (250 शब्द)

रूपरेखा: भूमिका - मार्च 2026 घोषणा और पहली डी-इंडक्शन; सकारात्मक - संसाधन पुनरावंटन, बहु-मोर्चा दबाव कम, मणिपुर की ज़रूरत; जोखिम - शेष माओवादी क्षमता, चरणबद्धता की आवश्यकता; राज्य पुलिस की क्षमता-निर्माण की भूमिका; निष्कर्ष - संतुलित, चरणबद्ध दृष्टिकोण।

FAQ

संक्षिप्त उत्तर: सुकमा की CRPF GD बटालियन के 1,000+ जवान मणिपुर जा रहे हैं - मार्च 2026 की "नक्सलवाद समाप्त" घोषणा के बाद पहली CAPF डी-इंडक्शन; छत्तीसगढ़-ओडिशा से तीन और बटालियन हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन।

प्रश्न: यह CRPF बटालियन कहाँ से कहाँ जा रही है?

छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित सुकमा जिले से मणिपुर; 1,000 से अधिक कर्मियों का यह स्थानांतरण है।

प्रश्न: इसे ऐतिहासिक क्यों माना जा रहा है?

क्योंकि मार्च 2026 में "देश में नक्सलवाद समाप्त" होने की सरकारी घोषणा के बाद किसी CAPF की यह पहली बड़ी डी-इंडक्शन है - बलों के पुनर्संतुलन की शुरुआत।

प्रश्न: घोषणा के बाद यह बटालियन क्या कर रही थी?

सक्रिय लड़ाकू अभियानों के बजाय मुख्यतः डी-माइनिंग और IED-निष्कासन जैसे सफाई-कार्य; इसकी कंपनियाँ बीच-बीच में चुनाव, अमरनाथ यात्रा और दिल्ली की सुरक्षा-कार्यों पर भी लगीं।

स्रोत

- द हिंदू: CRPF battalion moved from Sukma to Manipur, first CAPF de-induction after Naxalism declaration (15 नवंबर 2026) - प्राथमिक सरकारी विज्ञप्ति उपलब्ध नहीं; समाचार-स्रोत